## 12. पुरस्कार

**आपके बैंक को भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया:**

- सभी बैंकों (संपूर्ण भारत) में सबसे अधिक संख्या में सुकन्या समृद्धि खाते खोलने के लिए प्रथम पुरस्कार। यह पुरस्कार राष्ट्रीय बचत संस्थान, नई दिल्ली में 30 अक्तूबर, 2019 को "विश्व बचत दिवस" के आयोजन पर दिया गया।

- समय पर मनरेगा मजदूरी भुगतान के लिए प्रायोजक बैंक के रूप में सिक्किम में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कार। यह पुरस्कार ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा दिया गया।

## ज. लेनदेन बैंकिंग इकाई

लेनदेन बैंकिंग इकाई (टीबीयू) ने ग्राहकों की थोक लेनदेन अपेक्षाओं का व्यापक समाधान देने, उन्हें दक्ष निधि प्रबंधन सुविधा प्रदान करने, जिसमें कस्टमाइज्ड एमआईएस और दूसरे क्षेत्रों के बीच समर्पित एकल बिंदु ग्राहक सहयोग जैसी मूल्यवर्धित सेवाएं शामिल हैं, हेतु तकनीक को विस्तार दिया है। लेनदेन बैंकिंग सेवाएं बैंक को ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की सुविधा प्रदान करती हैं तथा ऋण, निधि प्रबंधन व क्रास सेलिंग जैसी उनकी अन्य बैंकिंग जरूरतों का पता करने में सहयोग करती हैं।

आपका बैंक कॉरपोरेट्स, सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थाओं और एसएमई ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को तैयार कर अपनी 22,000 से भी अधिक शाखाओं के माध्यम से टीबीयू उत्पादों/सेवाओं की एक विस्तृत श्रेणी प्रदान करता है। आपका बैंक बाजार की प्रवृत्तियों के अनुरूप अपने टीबीयू उत्पादों/सेवाओं की बकेट को निरंतर अद्यतित, परिवर्धित करता आ रहा है, ताकि ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ बाजार में बेहतर उत्पाद उतारा जा सके।

टीबीयू की शुल्क आय में वित्त वर्ष 2019 के ₹ 1327.08 करोड़ की तुलना में 43.38% की वर्षानुवर्ष बढ़ोतरी हुई है और यह वित्त वर्ष 2020 में ₹ 1902.77 करोड़ हो गई है। पिछले कुछ वर्षों से शुल्क आय में 40% से अधिक बढ़ोतरी का रेकॉर्ड बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2019 के ₹ 38,08,314 करोड़ टर्नओवर की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में 60.71% की वर्षानुवर्ष बढ़ोतरी हुई है और यह ₹ 61,20,331 करोड़ हो गया है।

आपके बैंक को एशियन बैंकर द्वारा वर्ष 2019 में लगातार तीसरी बार 'बेस्ट ट्रांजेक्शन बैंक इन इंडिया' के रूप में पुरस्कृत किया गया है। एशियन बैंकर ने आपके बैंक को वर्ष 2019 में 'बेस्ट पेमेंट बैंक इन इंडिया' का पुरस्कार भी दिया है तथा कॉरपोरेट ट्रेजरर ने इसे 'बेस्ट कैश मैनेजमेंट हाउस इन इंडिया' के सम्मान से अलंकृत किया है।

## 2. ग्लोबल बैंकिंग

### क. कॉरपोरेट लेखा समूह (कैग)

कैग बैंक की एक समर्पित एसबीयू (स्ट्रैटेजिक बिज़नेस यूनिट) है, जो विशिष्ट और कुशल डिलीवरी प्लेटफॉर्म की यूएसपी के साथ 'उच्च मूल्य क्रेडिट' के पोर्टफोलियो को संभालती है। कैग एसबीयू के पास भारत के शीर्ष 3 वाणिज्यिक केंद्रों - मुंबई, दिल्ली और चेन्नइ में स्थित 4 विशेषीकृत शाखाएँ हैं, जिनके अध्यक्ष महाप्रबंधक हैं।

एसबीआई में कैग वन स्टॉप शॉप है, जो विशेष रूप से शीर्षस्थ रेटिंग वाली कंपनियों को, उनकी विदेशी सहयोगी और सहायक कंपनियों सहित, वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।

कैग का व्यवसाय मॉडल संबंध प्रबंधन संकल्पना पर आधारित है और प्रत्येक ग्राहक/व्यवसाय समूह को एक संबंध प्रबंधक के पास मैप किया जाता है, जो एक क्रॉस-फंक्शनल क्लाइंट सर्विस टीम से जुड़ता है, जिसमें अत्यधिक कुशल ऋण और परिचालन पदाधिकारी होते हैं।

संबंध रणनीति, ग्राहकों को, एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर, संरचित उत्पादों सहित एकीकृत, निर्दिष्ट और व्यापक समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है। रणनीति का मुख्य उद्देश्य एसबीआई को शीर्ष कंपनियों की पहली पसंद बनाना है। वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कॉर्पोरेट संबंध की नियमित समीक्षा कैग में संबंध प्रबंधन के लिए मानदंड निर्धारित करती है।

विभिन्न क्रेडिट उत्पादों के अलावा कैग, अन्य एसबीयू एवं एसबीआई की सहायक कंपनियों जैसे- एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, एसबीआई गिल्ट्स लिमिटेड आदि के साथ मिलकर ग्राहक विशिष्ट उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है जैसे कि नकदी प्रबंधन उत्पाद, ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा उत्पाद और मर्चेंट बैंकिंग उत्पाद।

कैग शाखाओं में ग्राहक सेवा टीमें ग्राहकों को एसबीआई की सहयोगी और सहायक कंपनियों द्वारा दिए गए किसी भी उत्पाद/सेवा के चयन और वितरण में नीचे सूचीबद्धानुसार सहायता करती हैं :

- पूंजी बाजार की आवश्यकताओं के लिए - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआई कैप्स)
- ट्रेजरी और निवेश के लिए - एसबीआई गिल्ट्स और एसबीआई सिक्योरिटीज
- निवेश के लिए - एसबीआई म्यूचुअल फंड लिमिटेड
- सामान्य बीमा और जीवन बीमा के लिए - एसबीआई जनरल इंशोरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई लाइफ इंशोरेंस कंपनी लिमिटेड
- प्राप्य राशियों की फैक्टरिंग के लिए - एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के अनुरूप, बैंक ने कैग व्यवसाय वर्टिकल के अंदर दो विशेष व्यावसायिक इकाइयाँ बनाई हैं।

- क्रेडिट लाइट ग्रुप (सीएलजी) विशेष रूप से क्रेडिट लाइट क्षेत्रों - फार्मा, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो आदि में ग्राहकों की 360 डिग्री बैंकिंग आवश्यकताओं को देखने के लिए।
- वित्तीय और संस्थागत समूह (एफ़आईजी) - बीमा कंपनियों, दलाली फर्मों, बैंकों (निजी और विदेशी) और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय संस्थानों की ऋण और लेनदेन संबंधी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

31 मार्च 2019 को कैग के कुल ऋण पोर्टफोलियो ₹ 5.36 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹ 3.61 लाख करोड़ और गैर-निधि आधारित - ₹ 1.75 लाख करोड़) की तुलना में 31 मार्च 2020 को कैग का कुल ऋण पोर्टफोलियो ₹ 5.38 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹ 3.63 लाख करोड़ और गैर-निधि आधारित - ₹ 1.75 लाख करोड़) रहा।

देश की प्रमुख शीर्ष कंपनियाँ और नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कैग व्यवसाय वर्टिकल के ग्राहक हैं।

## ख. राजकोषीय परिचालन

विश्व बाजार इकाई (जीएमयू) आपके बैंक के राजकोषीय परिचालन करता है। वह अपेक्षित जोखिम-समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने के लिए अधिशेष निधियों का नियोजन बाजार में करने के लिए जिम्मेदार है। विश्व बाजार इकाई के संविभाग में एसएलआर एवं गैर एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश, सार्वजनिक रूप से बेचे जाने वाली ईक्विटियाँ, उद्यम पूंजी निधियाँ, निजी ईक्विटी एवं कार्यनीतिक निवेश शामिल हैं। इसके अलावा वह ऐसे बहुविध उत्पाद और सेवाएँ देता है, जिनसे ग्राहकों की विदेशी मुद्रा जरूरतों की पूर्ति होती है।

### 1. आपके बैंक के ब्याज दर उतार-चढ़ाव एवं एसएलआर और गैर-एसएलआर संविभाग

विश्व बाजार इकाई आपके बैंक के निवेश संविभाग का प्रबंधन करता है और सीआरआर एवं एसएलआर विनियामक अपेक्षाओं की पूर्ति करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में फैले नॉवेल करोना वाइरस बीमारी को महामारी घोषित किया है। कोविद-19 का असर भारत में भी अनुभव किया गया। कोविद-19 महामारी को रोकने के लिए प्रधान मंत्री ने देश भर में लॉकडाउन घोषित किया।

इसके परिणामस्वरूप, उभरते बाजार मार्केट बॉन्डों एवं ईक्विटियों में भारी जोखिम विमुखता देखी गई। इसके अलावा ऋण एवं ईक्विटी आस्तियों से ₹ 1.21 लाख करोड़ का एफपीआई बहिर्वाह देखा गया। म्यूचुअल फंडों से प्रतिमोचन एवं निवेश मांग का अभाव भी देखा गया। विश्व स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा नीति दरें घटाई गई और आस्ति खरीद कार्यक्रम घोषित किए गए। सरकारों ने अर्थव्यवस्था की सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक पैकेजों की घोषणा की है।

27 मार्च 2020 को भारतीय रिज़र्व बैंक की मुद्रा नीति समिति ने रेपो दर में 75 आधार अंकों की कटौती कर उसे 4.40% किया, जबकि रिवर्स रिपो दर को घटाकर 4% किया। इससे ब्याज दर दायरा 50 आधार अंकों से बढ़कर 65 आधार अंक हुआ। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय स्थितियों के तनाव को दूर करने के लिए कुछ उपाय भी घोषित किए। इसके अलावा भारतीय रिज़र्व बैंक ने सीआरआर में 1% की कटौती की, अपेक्षित न्यूनतम दैनिक सीआरआर को घटकर 80% किया और लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन की नई योजना शुरू की, जो परिपक्वता तक धारित संविभाग में कॉरपोरेट बॉन्डों को निवेश करने की अनुमति देती है। इसके अलावा रिज़र्व बैंक ने मीयादी ऋणों की अधिस्थगन, कार्यशील पूंजी वित्तपोषण को सरल बनाने एवं कार्यशील पूंजी सुविधाओं पर ब्याज को स्थगन करने की घोषणा की।

देशी स्तर पर ब्याज दरों में गिरावट की प्रवृत्ति जारी रही। 9 मार्च 2020 को सबसे न्यूनतम के 6.07% स्तर पर पहुँचने से पहले बेंचमार्क 10वाई प्रतिभूति (6.45 सीजी-एसईसी 2029) अत्यधिक 6.80% पर पहुंची। कम आय के कारण लाभ कमाने और निवेशों पर प्रावधान घटाने के अवसर मिले हैं।

बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि जिसका वित्त वर्ष 2020 के आरंभ में अभाव रहा, वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के अंत तक अधिशेष रही। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा खुले बाजार परिचालन किए जाने एवं विदेशी अंतर्वाह के कारण ऐसा हुआ। इसके अलावा ऋण संवृद्धि के अभाव से स्थिति खराब हुई और मार्च 2020 के अंत तक बैंकिंग प्रणाली की चलनिधि ₹ 4.96 ट्रिलियन रही।